B.A - Part I
डॉ० उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग

चन्द्रगुप्त का मूल्यांकन

भारतीय शासकों में चन्द्रगुप्त मौर्य को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। वह न केवल मौर्य साम्राज्य का संस्थापक था बल्कि इसकी महानता को भी आरम्भ करने वाला था। उसने अपना जीवन साधारण स्थिति से शुरू किया था। वह अपनी योग्यता और क्षमता के बल पर सम्राट बन सका। उसका प्रारम्भिक जीवन साहसिक और कष्टदायक था। किन्तु कालान्तर में वह कर्मठ सैनिक, योग्य संगठनकर्ता सफल सेनापति, साम्राज्य निर्माता और उच्च आदर्शों का पालन करने वाला व्यक्ति सिद्ध हुआ। अपने चारित्रिक गुणों के कारण ही वह सम्राट के पद को प्राप्त कर सका।

चाणक्य ने भारत के विदेशियों के चंगुल से मुक्त करने और नन्द वंश को नष्ट करने के लिए चन्द्रगुप्त को चुना था। चन्द्रगुप्त ने इन दोनों कार्यों को पूरा किया। उसने नन्द राजा को परास्त कर मगध पर अधिकार कर लिया और मगध-राज्य का विस्तार भी किया। प्रायः सम्पूर्ण भारत पर उसका अधिकार था और भारत की सीमाओं के बाहर उत्तर-पश्चिम में ईरान के साम्राज्य की सीमाओं तक उसकी सीमाएँ थीं जिसमें अफगानिस्तान, बलूचिस्तान और मध्य-एशिया का भी कुछ भाग सम्मिलित था। इतना विशाल साम्राज्य भारत में पहले कोई भी शासक स्थापित नहीं किया था।

चन्द्रगुप्त का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य भारत से यूनानियों को निकालकर भारत की सीमाओं को सुरक्षित करना था। इस कार्य को भी उसने सफलतापूर्वक किया। जिस समय उसने अपना कार्य प्रारम्भ किया था

Scanned with CamScanner

उस समय पंजाब, सिन्ध और भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र यूनानियों के अधिकार में था। चन्द्रगुप्त ने इस क्षेत्रों से भी यूनानियों को खदेड़ दिया। उसने सेल्यूकस को भी युद्ध में पराजित किया और भारत को भविष्य में यूनानी आक्रमणों की आशंका से मुक्त किया। सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त को कुछ क्षेत्र भी दिये जिससे उत्तर-पश्चिम की ओर भारतीय साम्राज्य का विस्तार भी हुआ।

चन्द्रगुप्त साम्राज्य निर्माता के साथ-साथ कुशल शासक भी था। उसने अपने विशाल साम्राज्य के लिए ऐसी शासन-व्यवस्था स्थापित की जो पर्याप्त समय तक भारत को एक सूत्र में बाँधे रखा और भविष्य में भारत को सम्राटों के लिए एक आदर्श एवं व्यावहारिक शासन-व्यवस्था का उदाहरण उपस्थित किया। डॉ० आर० सी० मजुमदार ने चन्द्रगुप्त की उपलब्धियों का मूल्यांकन इन शब्दों में किया है, "भारतीय इतिहास में चन्द्रगुप्त एक भव्य दृश्य उपस्थित करता है- एक शीघ्र सफल होने वाला स्वतंत्रता का युद्ध विस्तृत साम्राज्य राजनीतिक और सुशासन की दृष्टि से संयुक्त भारत, सर्वोच्च कानून के रूप में धर्म की स्थापना और एक ऐसे जीवन का संगठन जिसने भविष्य के युगों में भारतीयों को कभी न नष्ट होनेवाली सांस्कृतिक एकता की भावना को जन्म दिया।"